समेकित बाल विकास योजना (आई.सी.डी.एस.)

के अन्तर्गत

मुख्य सेविका कार्य प्रशिक्षण

(दिनांकः 16 अप्रैल से 15 मई, 2008)

प्रशासनिक प्रतिवेदन

मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र

दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ

विषय वस्तु

1. पृष्ठभूमि
2. प्रशिक्षण उद्‌देश्य
3. प्रशिक्षण साहित्य की सूची
4. प्रशिक्षण विधि
5. प्रशिक्षण मूल्यांकन / निष्कर्ष
6. संसाधन व्यक्तियों की सूची
7. प्रतिभागियों की सूची
8. समय सारिणी
9. ग्रुप फोटोग्राफ
10. प्रथम क्षेत्रीय भ्रमण की सारांश रिपोर्ट
11. द्वितीय क्षेत्रीय भ्रमण की सारांश रिपोर्ट
12. तृतीय क्षेत्रीय भ्रमण की सारांश रिपोर्ट

मुख्य सेविका कार्य प्रशिक्षण

1 पृष्ठभूमि

दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी0के0टी0, लखनऊ पर स्थापित मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र पर दिनांक 16.4.08 से 15.5.08 की अवधि में 30 दिवसीय 'मुख्य सेविका कार्य प्रशिक्षण' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद आजमगढ़ व मिर्जापुर की कुल 32 मुख्य सेविकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

2 प्रशिक्षण उद्देश्य

- प्रतिभागियों को समेकित बाल विकास कार्यक्रम के बारे में जानकारी देना।
- प्रतिभागियों को आई0सी0डी0एस0 के तीन मुख्य घटक स्वास्थ्य एवं पोषण, समुदाय सहभागिता एवं शालापूर्व शिक्षा सम्बन्धी तकनीकी जानकारी देना।
- प्रतिभागियों की कार्य कुशलता व क्षमता का विकास करना, जिससे वे सुचारू रूप से अपना कार्य कर सकें।
- प्रतिभागियों को मानीटरिंग एवं सुपरविजन करने की प्रक्रिया से अवगत कराना।
- क्षेत्रीय भ्रमण द्वारा आई0सी0डी0एस0 के अन्तर्गत दी जाने वाली सेवाओं के क्रियान्वयन हेतु व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना।

3 प्रशिक्षण साहित्य की सूची

- बढ़ता बचपन
- बढ़ती बच्ची के लिए पोषण
- प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री हेतु मार्ग निर्देशिका
- बीमार बच्चों को आहार देना
- गर्भावस्था के दौरान देखभाल

4 प्रशिक्षण विधि

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण माड्यूल के अनुसार विभिन्न प्रशिक्षण विधियॉ जैसेः वार्ता, सामूहिक परिचर्चा, सामूहिक अभ्यास, रोलप्ले, सामूहिक प्रस्तुतीकरण, प्रश्नोत्तरी विधि, दृश्य–श्रव्य सामग्री द्वारा, सामूहिक खेलकूद, कहानी, चार्ट इत्यादि का प्रयोग किया गया।

30 दिवसीय कार्य प्रशिक्षण में 26 कार्य दिवस होते हैं जिसमें पहले दो दिन आई0सी0डी0एस0 का परिचय, 4 दिन प्रारम्भिक बाल्यावस्था व शालापूर्व शिक्षा, 7 दिन पोषण एवं स्वास्थ्य, 4 दिन संचार एडवोकेसी और सामुदायिक सहभागिता, 3 दिन पर्यवेक्षण प्रशिक्षण एवं प्रबन्धन, दो दिन आंगनबाड़ी केन्द्र का प्रबन्धन, 3 दिन पर्यवेक्षण अभ्यास पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है तथा अन्तिम दिन प्रतिपुष्टि एवं समापन होता है।

लेक्चर के माध्यम से सभी विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण को उपयोगी बनाने के लिए प्रतिभागियों की सहभागिता को प्राथमिकता दी गई। प्रत्येक वार्ता के बाद उनसे अभ्यास चार्ट एवं रोलप्ले द्वारा कराया गया।

प्रशिक्षण में तीन क्षेत्रीय भ्रमण किये गये। ये भ्रमण लखनऊ जनपद की परियोजना, बख्शी के तालाब के हरधौरपुर, पहाड़पुर तथा अलीगंज के आदिल नगर में कराया गया। प्रत्येक भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों के विभिन्न समूह बनाये गये। जिनका विवरण निम्नानुसार है–

<u>पहला भ्रमण :–</u> यह भ्रमण गॉव हरधौरपुर, बख्शी के तालाब में किया गया। प्रतिभागियों को पॉच समूह में बांटा गया जिनको निम्नांकित विषय दिए गये।

समूह 1:– आंगनबाड़ी केन्द्र के अभिलेखों का रख–रखाव का अवलोकन करना।

समूह 2 :– केन्द्र पर शालापूर्व शिक्षा का प्रदर्शन

समूह 3 :– समुदाय में शालापूर्व शिक्षा की स्थिति का अवलोकन

समूह 4 :– आई0सी0डी0एस0 की सेवाओं पर गृह भ्रमण

<u>दूसरा भ्रमण</u> :– यह भ्रमण पहाड़पुर में किया गया। प्रतिभागियों को पॉच समूह में बांटा गया जिसमें दो समूह ने दो अलग–अलग आंगनबाड़ी केन्द्र का अवलोकन व गृह भ्रमण किया तथा अन्य तीन समूह ने आई0एम0सी0टी0 पर कार्य किया।

<u>तीसरा भ्रमण :–</u> यह भ्रमण आदिल नगर में किया गया जिसमें सभी प्रतिभागियों ने हॉट कुक से सम्बन्धित सभी पंजिकाओं की जानकारी प्राप्त की।

5 प्रशिक्षण का मूल्यांकन/निष्कर्ष

मूल्यांकन प्रपत्र से पता चला कि सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण में दिये गये सभी वार्ता एवं प्रशिक्षण देने का तरीका बहुत ज्ञानवर्धक और उपयोगी लगा। विशेषतः हाट कुक, सूचना का अधिकार, एड्स की जानकारी जैसे विषय अत्यधिक उपयोगी लगे। साथ ही क्षेत्रीय भ्रमण द्वारा सभी प्रतिभागियों को अपने कार्यदायित्व से सम्बन्धित व्यवहारिक जानकारी उपयोगी लगी।

6 संसाधन व्यक्तियों की सूची

1. डा0 ओ0पी0 पाण्डेय, संयुक्त निदेशक, एस0आई0आर0डी0
2. डा0 वरदानी, संयुक्त निदेशक, एस0आई0आर0डी0
3. डा0 एल0एम0जोशी, संयुक्त निदेशक, एस0आई0आर0डी0
4. डा0 डी0सी0 उपाध्याय, संयुक्त निदेशक, एस0आई0आर0डी0
5. डा0 प्रमोद चन्द्रा, उप निदेशक, एस0आई0आर0डी0
6. ई0 एस0के0सिंह, सहायक निदेशक, एस0आई0आर0डी0
7. डा0 योगेन्द्र कुमार, सहायक निदेशक, एस0आई0आर0डी0
8. श्रीमती मनोरमा मिश्रा, वरिष्ठ प्रशिक्षक, एस0आई0आर0डी0
9. श्री राकेश सक्सेना, शोध सहायक, एस0आई0आर0डी0
10. डा0 विनीता सिंह, शोध सहायक, एस0आई0आर0डी0
11. सुश्री तरूना सिंह, विशेषज्ञ पोषण, मिड डे मील, शिक्षा विभाग, निशातगंज, लखनऊ
12. डा0 मधु अग्रवाल, निपसिड, लखनऊ
13. मे0 जुनीद, सचिवालय प्रशिक्षण केन्द्र, लखनऊ
14. श्रीमती पूनम तिवारी, सी0डी0पी0ओ0, अलीगंज, लखनऊ।
15. श्रीमती कुसुम त्रिपाठी, सी0डी0पी0ओ0, बी0के0टी0
16. सुश्री कान्ती शर्मा, (से.नि.) वरिष्ठ प्रशिक्षक आर0आई0आर0डी0, बी.के.टी., लखनऊ।
17. डा0 आर0बी0लाल, चिकित्सा अधिकारी, बी.के.टी, लखनऊ।
18. श्री शिवभगवान, अनुदेशक, एम0एल0टी0सी0
19. श्रीमती सुमन पाण्डेय, अनुदेशक, एम0एल0टी0सी0
20. सुश्री मुद्रिका शर्मा, अनुदेशक, एम0एल0टी0सी0

7 प्रतिभागियों की सूची

कार्यालय –ज्ञाप

संस्थान पर स्थापित मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र (MLTC) पर दिनांक 16 अप्रैल से 15 मई, 2008 की अवधि में आयोजित '' **मुख्य सेविका कार्य प्रशिक्षण** '' में निम्नांकित मुख्य सेविकाओं ने भाग लिया। इन्हें आज दिनांकः 15 मई, 2008 को अपरान्ह से कार्यमुक्त किया जाता है। **प्रशिक्षण वास्ते यात्रा–भत्ता का भुगतान किया गया है।**

क्र. सं.	प्रतिभागी नाम सर्व सुश्री	परियोजना का नाम	योगदान तिथि
1	सिताबी देवी	मझवाँ मिर्जापुर	15.04.08
2	सरोज जायसवाल	मझवाँ मिर्जापुर	15.04.08
3	जाहिदा बेगम	नरायनपुर, मिर्जापुर	15.04.08
4	मीरा यादव	नरायनपुर, मिर्जापुर	15.04.08
5	लीलावती देवी	नरायनपुर, मिर्जापुर	15.04.08
6	उर्मिला सिह	म्हिनगर आज़मगढ़	16.04.08
7	आशा सिंह	हरैया, आज़मगढ़	16.04.08
8	लक्ष्मी देवी	तरवा, आज़मगढ़	16.04.08
9	गिरिजा देवी	तरवा, आज़मगढ़	16.04.08
10	आशा मौर्या	तरवा, आज़मगढ़	16.04.08
11	उर्मिला पाण्डेय	फूलपुर, आज़मगढ़	16.04.08
12	राजमुनि तिवारी	फूलपुर, आज़मगढ़	16.04.08
13	इन्दू दुबे	फूलपुर, आज़मगढ़	16.04.08
14	मंजू सिंह	तहबरपुर, आज़मगढ़	16.04.08
15	उर्मिला तिवारी	हरैया, आज़मगढ़	16.04.08
16	परमिला सिह	ललगंज, आज़मगढ़	16.04.08
17	आशा सिंह	ललगंज, आज़मगढ़	16.04.08
18	ऊषा गुप्ता	विलरियागंज, आज़मगढ़	16.04.08
19	सुगिया देवी	म्हिनगर , आज़मगढ़	16.04.08
20	केशरी देवी	लालगंज, आजमगढ़	16.04.08
21	तेतरी देवी	अजमतगढ़–आज़मगढ़	16.04.08
22	अमरावती देवी	पढेहरा मिर्जापुर	16.04.08
23	विद्यावती देवी	फूलपुर आज़मगढ़	16.04.08
24	श्राजकुमारी	अहरौला, आज़मगढ़	16.04.08
25	शकुन्तला	अहरौला, आज़मगढ़	16.04.08
26	फूलमती भारती	मार्टिनगंज, आज़मगढ़	16.04.08
27	सरस्वती देवी	कोयलसा, आज़मगढ़	16.04.08
28	शिव कुमारी देवी	कोयलसा, आजमगढ़	16.04.08
29	सुशीला देवी	मिर्जापुर, आज़मगढ़	16.04.08
30	सुशीला यादव	ठेकमा, आज़मगढ़	17.04.08
31	सुशीला गुप्ता	ठेकमा, आज़मगढ़	17.04.08
32	तारा देवी	अतरौलिया, आज़मगढ़	20.04.08

(डॉ0 ओ0पी0 पाण्डेय)
संयुक्त निदेशक

<u>कार्यालय : मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र (MLTC) , दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ</u>

पत्रांकः 1244 /एम.एल.टी.सी./24/ 06–07 दिनांकः 15 मई, 2008

प्रतिलिपि– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. संबंधित प्रतिभागियों को दो प्रतियों में, एक प्रति संबंधित सी0डी0पी0ओ0 के सूचनार्थ।
2. जिला कार्यक्रम अधिकारी सम्बन्धित जनपद।
3. जिला कार्यक्रम अधिकारी, विकास भवन, लखनऊ।
4. निदेशक, समेकित बाल विकास एवं पुष्टाहार सेवा, तृतीय तल, इन्दिरा भवन, लखनऊ।

(डॉ0 ओ0पी0 पाण्डेय)
संयुक्त निदेशक

8 समय सारणी

9 ग्रुप फोटोग्राफ

11— प्रथम क्षेत्रीय भ्रमण

ग्राम — हरधौरपुर   ब्लाक — बख्शी का तालाब   जिला — लखनऊ

दिनांक 26.4.08 को हरधौरपुर का भ्रमण कराया गया, जिसमें प्रतिभागियों को चार समूह में बॉटा गया और प्रत्येक समूह को एक—एक विषय दिया गया जिस पर मुख्य सेविकाओं ने कार्य किया। दिये गये विषय का निम्न विवरण है।

समूह —1   आंगनबाड़ी केन्द्र के अभिलेखों की स्थिति।

समूह —2   केन्द्र पर शालापूर्व शिक्षा की स्थिति।

समूह —3   गृह भ्रमण के द्वारा शालापूर्व शिक्षा की स्थिति का पता लगाना।

समूह —4   आई0सी0डी0एस0 सेवाओं पर पॉच घरों का गृह भ्रमण।

पहला समूह :— ऑगनबाड़ी केन्द्र के अभिलेखों की स्थिति ।

क0	अभिलेखों के नाम	समूह की रिपोर्ट
1	सर्वे रजिस्टर	उपलब्ध था
2	कार्यकर्त्री एवं सहायिका उपस्थिति पंजिका	अलग से नहीं था, बच्चों की उपस्थिति रजिस्टर में ही बना था।
3	0—3 वर्ष तक की आयु के बच्चों का रजिस्टर	उपलब्ध था, पूर्ण
4	3—6 वर्ष तक की आयु के बच्चों की उपस्थिति पंजिका	उपलब्ध था, पूर्ण
5	गर्भवती तथा धात्री माताओं का रजिस्टर	उपलब्ध था, पूर्ण और किशोरियों का भी बना था।
6	महिला मण्डल रजिस्टर	उपलब्ध , पूर्ण
7	जन्म मृत्यु रजिस्टर	उपलब्ध , पूर्ण
8	सामग्री स्टाक रजिस्टर	उपलब्ध नहीं था, पूर्ण
9	वृद्धि चार्ट रजिस्टर	उपलब्ध , पूर्ण
10	दवा स्टाक एवं वितरण रजिस्टर	उपलब्ध नहीं था
11	दैनिक डायरी एवं गृह भ्रमण पंजिका	उपलब्ध, पूर्ण
12	निरीक्षण पंजिका	उपलब्ध था, लेकिन अधिकारियों ने सीन नहीं किया था।
13	मातृ समिति पंजिका	उपलब्ध था, पूर्ण था
14	पोषाहार स्टाक रजिस्टर	उपलब्ध नहीं था
15	पोषाहार वितरण रजिस्टर	उपलब्ध, पूर्ण
16	टीकाकरण पंजिका	उपलब्ध था, पूर्ण
17	कैश बुक	—
18	हाट कुक	—

सारांश

समूह –1 द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र, ग्राम–हरधौरपुर, बख्शी का तालाब, लखनऊ का भ्रमण किया गया जहॉ पर आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री मायादेवी व सहायिका सरोजनी देवी उपस्थित मिली, उस दौरान जो भी देखा गया है उसके मुख्य बिन्दु निम्न हैं।

- ⇨ आंगनबाड़ी केन्द्र प्राइमरी स्कूल में चलाया जा रहा है जो कि बड़ा ही सुसज्जित पाया गया।
- ⇨ कुल 12 रजिस्टर बने हुए थे, पूर्ण पाये गये।
- ⇨ अभिलेखों की स्थिति ठीक नहीं थी जैसे– कवर नहीं थे, प्रमाणित नहीं थे, नम्बरिंग नहीं थी।
- ⇨ यहॉ पर हॉट कुक नहीं चल रहा था।
- ⇨ मातृ समिति रजिस्टर, दवा स्टाक रजिस्टर तथा सामग्री स्टाक रजिस्टर नहीं बने थे।
- ⇨ केन्द्र पर वजन मशीन नहीं थी।
- ⇨ रजिस्टर रखने की जगह न होने के कारण आंगनबाड़ी प्रतिदिन रजिस्टर अपने घर से लाती है।

अतः अवलोकन करने से पता चला कि अभिलेख काफी हद तक सही है। इनका उपयोग किया जा रहा है।

समूह –2– केन्द्र पर शालापूर्व शिक्षा की स्थिति।

शनिवार का दिन टी0एच0आर0 का दिन होता है। इस दिन पोषाहार वितरण होता है। इसलिए शनिवार को शालापूर्व शिक्षा का संचालन 11 बजे तक ही होता है। प्रतिभागी आंगनबाड़ी केन्द्र हरधौरपुर पहुॅचे तब कुछ बच्च तथा महिलायें केन्द्र पर पोषाहार प्राप्त कर रहे थे। बच्चों से बातचीत के दौरान ये पता चला कि आंगनबाड़ी केन्द्र नियमित खुलता है तथा शालापूर्व शिक्षा की सामग्री हमें खेलने को मिलती है। आंगनबाड़ी कार्यकत्री माया देवी व सहायिका को वार्ता के दौरान ये बताया गया कि आंगनबाड़ी केन्द्र का संचालन और अधिक रूचिकर व बेहतर तरीके से चलाया जा सकता है।

जैसे–

1. समय सारणी के अनुसार केन्द्र का संचालन ।
2. सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न प्रकार की क्रियायें करवाना जैसे गोले बनवाना।
3. मिट्टी से खिलौने बनवाना, माला पिरोना, भावगीत चीजों से सामान बनवाना, पहेली व कहानी आदि ।
4. उम्र के अनुसार खेल–कूद करवाना।
5. इनडोर व आउटडोर खेल करवाना आदि।
6. रचनात्मक क्रियायें करवाते समय छोटे–छोटे समूह में क्रियायें करवायें।

समूह –3 गृह भ्रमण के द्वारा शालापूर्व शिक्षा की स्थिति का पता लगाना।

प्रतिभागियों द्वारा ग्राम हरधौर के कुल पॉच घरों का गृह भ्रमण किया गया। सबसे पहले श्री रंगलाल के घर गए उनके घर में दो बच्चे मिले जिनके नाम अंजनी व अनीता था इनकी आयु 5 वर्ष एवं 3 वर्ष थी। श्रीरंगलालजी से बातचीत के दौरान पता चला कि अंजनी को आंगनबाड़ी केन्द्र भेजते है लेकिन अभी अनीता को केन्द्र पर नहीं भेजते हैं। अंजनी से बात करने पर पता चला कि आंगनवाड़ी केन्द्र पर शालापूर्व शिक्षा सामग्री खेलने को मिलती है तथा दीदीजी द्वारा नये–नये खेल एवं कहानी सुनाई जाती है। प्रतिभागियों द्वारा श्रीरंगलाल को सलाह दी कि अब अनीता को भी केन्द्र पर भेंजे क्योंकि वह भी 3 वर्ष की हो चुकी है।

दूसरा घर संजय का था जिनके 3 वर्ष का एक बच्चा था। संजय से वार्ता के दौरन पता चला कि उन्हें आंगनवाड़ी केन्द्र पर दी जाने वाली शालापूर्व शिक्षा की जानकारी नहीं थी तथा आंगनबाड़ी केन्द्र पर कितने वर्ष के बच्चे को यह शिक्षा दी जाती है? यह भी उन्हें नहीं मालूम था। प्रतिभागियों द्वारा उन्हें बताया गया केन्द्र पर 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों को शालापूर्व शिक्षा दी जाती है जिसमें उन्हें बैठने, उठने, बात–चीत करने, छोटा–बड़ा, शरीर के अंगों का ज्ञान, खट्टा–मीठा, कडुवा इत्यादि के बारे में बच्चों को खेल–खेल में सिखाया जाता है। साथ ही साथ बच्चे को केन्द्र पर भेजने की सलाह दी।

तीसरा घर देवेन्द्र का था उनकी पत्नी श्रीमती सुनीता देवी से बातचीत के दौरान पता चला कि उनका एक बच्चा है जिसकी आयु 5 वर्ष है। बच्चे को नियमित आंगनबाड़ी केन्द्र पर भेजती हैं। सुश्री सुनीता देवी से प्रतिभागियों ने शालापूर्व शिक्षा के बारे में पूछा गया तो सुश्री सुनीता ने बड़े ही मनोभाव से केन्द्र पर होने वाली सारी गतिविधियों को विस्तृत रूप से बताया और आंगनवाड़ी कार्यकत्री की बहुत ही प्रशंसा की साथ ही साथ बताया कि दीदीजी जो–जो गतिविधियां केन्द्र पर कराती है बच्चा वे सारी गतिविधियां हमें घर पर बताता है। इस प्रकार उन्हें शालापूर्व शिक्षा की विस्तृत जानकारी थी।

चौथा घर देवेन्द्र का था जिनके चार वर्ष 3 माह का शिवम नाम का एक बच्चा था। शिवम के माता–पिता दोनो से वार्तालाप से ज्ञात हुआ कि उन्हें आंगनबाड़ी केन्द्र पर शालापूर्व शिक्षा से सम्बन्धित समस्त गतिविधियों की जानकारी है।

पॉचवा घर श्रीमती सरोज का था, जिसका बच्चा लगभग चार वर्ष का था। जब प्रतिभागियों द्वारा श्रीमती सरोज से पूछा गया कि बच्चे को आंगनवाड़ी केन्द्र पर भेजते हैं या नहीं? तो श्रीमती सरोज ने उत्तर दिया गया कि नहीं भेजते हैं। कारण पूछने पर कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद कोई बात–चीत किये ही श्रीमती सरोज घर के अन्दर चली गयी।

समूह– 4 – आई0सी0डी0एस0 के सेवाओं पर गृह भ्रमण

सबसे पहला घर श्री रामजियावन था उन्होनें प्रतिभागियों को सम्मानपूर्वक बैठाया। उनके एक पुत्र है जिसकी उम्र थी लगभग 5 वर्ष। उन्होनें पूछा कि आप लोग किसलिए आये हैं? प्रतिभागियों ने अपना परिचय दिया और किस उद्देश्य से आये हैं बताया। उसकी मॉ से पूछा गया बच्चा कहां पढ़ता है? तो मां ने बताया आंगनबाड़ी केन्द्र पर जाता है और बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्र पर सतुआ मिलता है। प्रतिभागियों द्वारा पूछा गया कि और कौन–कौन सी सेवायें केन्द्र पर

मिलती है ? इस पर श्री रामजियावन ने सिर्फ दो–तीन सेवाओं के बारे में बताया। प्रतिभागियों द्वारा सभी सेवाओं के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया।

दूसरा घर कैलास का था जिनके एक पुत्र 4 वर्ष था। घर में बहुत गन्दगी थी उनका बच्चा जो बहुत ही गन्दे कपड़ों में था बच्चे को दस्त हो रहे थे। बच्चे को न तो कोई टीका लगा था और न ही केन्द्र पर जाता था? परिवार को आई.सी.डी.एस. की सेवाओं की कोई जानकारी नहीं थी। श्री कैलास को प्रतिभागियों ने बताया कि गन्दगी से ही बीमारी होती है। इसी वजह से दस्त हो रहे है। ओ0आर0एस0 पिलाने की सलाह दी, साथ ही डाक्टर को दिखाने के लिए परामर्श दिये।

तीसरा घर श्री कैलास कनौजिया का था जिनका बच्चा 3 वर्ष का था। श्री कनौजिया से बात चीत करने पर पता चला कि उनके बच्चे को सभी टीके लगे हुए थे, आई.सी.डी.एस. द्वारा कौन–कौन सी सेवायें आंगनबाड़ी केन्द्र द्वारा समुदाय को दी जाती है उसकी पूर्ण जानकारी थी। श्री कनौजिया ने बताया कि केन्द्र पर पोषाहार नियमित रूप से मिलता था तथा दीदीजी गृह भ्रमण के दौरान स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, संदर्भ सेवायें, शालापूर्व अनौपचारिक शिक्षा तथा स्वास्थ्य एवं पोषण शिक्षा के बारे में पूर्ण जानकारी देती है।

चौथा घर प्रमोद का था उनकी पत्नी मीरा देवी मिली जो गर्भवती थी। सुश्री मीरा देवी से वार्तालाप के द्वारा पता चला कि उन्होंने टी.टी. के दोनों ही टीके लगवा लिये थे और आंगनवाड़ी केन्द्र पर पोषाहार एवं अन्य सेवाओं को नियमित रूप से ले रही थी।

पॉचवा घर श्रीरामनरेश का था उनके 2 बच्चे थे। एक पुत्र एवं एक पुत्री थी जिनकी आयु क्रमशः 1 वर्ष, 13 वर्ष थी। लड़की का नाम तारा था जो किशोरावस्था में थी। तारा से पूछा गया कि उसका नाम आंगनबाड़ी केन्द्र पर पंजीकृत है या नहीं ? उसके बताने पर पता चला कि पहले नाम दर्ज था। अब रजिस्टर से नाम हटा दिया गया है। उसको सभी सेवायें मिलती थी। अब वह प्राथमिक विद्यालय जाती थी। उसे आंगनबाड़ी से सम्बन्धित काफी जानकारी थी।

12– द्वितीय क्षेत्रीय भ्रमण

दिनांक 01.05.08 को ग्राम पहाड़पुर के आंगनवाड़ी केन्द्र 01 तथा 02 का भ्रमण किया गया। प्रतिभागियों को कुल 5 समूहों में विभाजित किया गया, जिनमें दो समूहों द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र का अवलोकन एवं गृह भ्रमण किया गया तथा तीन समूहों ने बालपन बीमारियों का समेकित प्रबन्धन (आई0एम0सी0आई0) विषय पर भ्रमण कार्य किया।

समूह एक – आंगनवाड़ी केन्द्र 01 के अभिलेखों का निरीक्षण एवं गृह भ्रमण।

समूह दो – आंगनवाड़ी केन्द्र 02 के अभिलेखों का निरीक्षण एवं गृह भ्रमण।

समूह तीन, चार एवं पांच – बालपन बीमारियों का समेकित प्रबन्धन (आई0एम0सी0आई0)

समूह एक – आंगनवाड़ी केन्द्र 01 के अभिलेखों का निरीक्षण एवं गृह भ्रमण।

(क) अभिलेखों का निरीक्षण

क0	रजिस्टरों का नाम	अंकेक्षण दल की रिपोर्ट
1	सर्वे रजिस्टर	साफ–सुथरा नहीं, किसी सुपरवाइजर, सी0डी0 पी0 ओ0 का ह0 नहीं है।
2	कार्यकर्त्री एवं सहायिका उपस्थिति पंजिका	प्रधान मंजू तिवारी का हस्ताक्षर है। न तो पेजिंग है और न ही प्रमाणित है।
3	0–3 वर्ष तक की आयु के बच्चों का रजिस्टर	पेजिंग नहीं, और न ही प्रमाणित है, सुपरवाइजर मीरा श्रीवास्तव अन्तिम ह0 15.4.08 को है।
4	3–6 वर्ष तक की आयु के बच्चों की उपस्थिति पंजिका	पेजिंग नहीं, और न ही प्रमाणित है, सुपरवाइजर मीरा श्रीवास्तव अन्तिम ह0 15.4.08 को है।
5	गर्भवती तथा धात्री माताओं का रजिस्टर	पेजिंग है परन्तु प्रमाणित नहीं, अन्तिम प्रवृष्ठि की 26.3.08
6	महिला मण्डल रजिस्टर	पेजिंग नहीं, और न ही प्रमाणित है, सुपरवाइजर मीरा श्रीवास्तव अन्तिम ह0 15.3.08 को है।
7	जन्म मृत्यु रजिस्टर	पूरा है। प्रमाणित नहीं है।
8	सामग्री स्टाक रजिस्टर	रजिस्टर की स्थिति ठीक नहीं है।
9	वृद्धि चार्ट रजिस्टर	वजन मशीन है। लेकिन खराब है।
10	दवा स्टाक एवं वितरण रजिस्टर	दवा नहीं मिली न ही रजिस्टर बना है।
11	दैनिक डायरी एवं गृह भ्रमण पंजिका	पेजिंग नही है, न ही प्रमाणित। अन्तिम हस्ताक्षर मुख्य सेविका 15.4.08
12	निरीक्षण पंजिका	मौके पर नहीं मिला
13	मातृ समिति पंजिका	महिला मण्डल,मातृ समिति एक ही में है। पूरा है।
14	पोषाहार स्टाक रजिस्टर	माडर्न फूड रजिस्टर है लेकिन पोषाहार बन्द है।
15	पोषाहार वितरण रजिस्टर	विनिंग पूरा रजिस्टर है।
16	टीकाकरण पंजिका	पेजिंग नहीं, और न ही प्रमाणित है, अन्तिम टीकाकरण 15.3.08 को हुआ है।
17	कैश बुक	24.4.08 को मिला शुरू नहीं है।
18	हाट कुक	10.4.08 से चालू है रू. 500 प्राप्त हुए।

(ख) आंगनवाड़ी केन्द्र की सुविधाओं एवं सेवाओं का निरीक्षण

क्रम	विषय	मुद्दे	अंकेक्षण दल की रिपोर्ट	सत्यापन विधि	संबंधित दस्तावेज
1	आधारभूत संरचना	▪ स्थल (साफ सफाई) ▪ भवन ▪ पनी ▪ शौचालय ▪ भण्डार / रसोई	▪ ठीक साफ सुथरा है। ▪ प्राथमिक स्कूल ▪ चार हैण्ड पाइप चारो चालू हालत में ▪ चार शौचालय (प्राथमिक स्कूल का) ▪ नहीं है, भण्डारण घर में	स्वयं द्वारा ,, ,, ,, ,,	प्रत्यक्ष ,, ,, ,, ,,
2	उपस्कर	▪ बर्तन ▪ वजन मशीन ▪ खेल सामग्री ▪ पठन सामग्री ▪ ग्रोथ चार्ट ▪ दवा पेटी	▪ नहीं है, आं0बा0का निजी बर्तन ▪ 2 है, बड़ा मशीन खराब है। ▪ है बिल्डिंग ब्लाक, कैरमबोर्ड ▪ अक्षर ज्ञान, स्लेट, पेन्सल ▪ नहीं ▪ नहीं	आंगनबाड़ी केन्द्र पर मिला स्वयं द्वारा ,, ,, ,, ,,	प्रत्यक्ष ,, रजिस्टर द्वारा प्रत्यक्ष ,, ,,
3	लक्ष्य समूह पहुँच और उपस्थित	▪ बच्चे – 0–3 ▪ बच्चे – 3–6 ▪ किशोरी ▪ गर्भवती माता ▪ धात्री माता	▪ 87 ▪ 70 ▪ पंजीकृत 3 सर्वे 105 ▪ पंजीकृत 17 ▪ पंजीकृत 20	स्वयं द्वारा ,, ,, ,, ,,	रजिस्टर द्वारा ,, ,, ,, ,,
4	सेविका/ सहायिका	▪ चयन ▪ स्थानीयता ▪ कार्यसंचालन ▪ उपस्थिति ▪ प्रशिक्षण ▪ दक्षता/क्षमता ▪ भुगतान	▪ हुआ है ▪ बाहर से (गॉव की बेटी) ▪ हो रहा था ▪ है ▪ की है ▪ कुशल थी ▪ दो तीन माह बाद	न्ही नहीं स्वयं देखा ,, ,, प्राप्त है स्वयं देखा पूछ ताछ	आ0बा0 द्वारा पूछताछ करने पर प्रत्यक्ष पंजिका द्वारा आ0 से पूछ ताछ पर प्रत्यक्ष आ0बा0 द्वारा

5	THR	▪ वितरण स्थिति ▪ निरंतरता ▪ गुणवता ▪ मात्रा	▪ होता है ▪ हॉ ▪ हॉ सही था ▪ 74 कि0 380 ग्राम	समुदाय द्वारा ,, ,, स्वयं स्वयं	रजिस्टर द्वारा रजिस्टर द्वारा प्रत्यक्ष रजिस्टर
6	पूरक आहार	▪ नियमितता ▪ गुणवत्ता ▪ मात्रा ▪ मेनू ▪ सामग्री खरीद ▪ स्वाद	▪ हॉ ▪ सही था ▪ 21 कि0 वितरण (एक दिन का) ▪ खिचड़ी, दलिया, पोहा, ▪ दुकान से राजेश मिश्र(कुम्हरावा आं0 बा0 केन्द्र के नाम पर रसीद) ▪ समुदाय द्वारा चर्चा सही था	नहीं समुदाय द्वारा स्वयं पूछताछ पर स्वयं देखा स्वयं देखा स्वयं पूछा	रजिस्टर द्वारा स्वयं रजिस्टर द्वारा रजिस्टर द्वारा रसीद द्वारा रसीद द्वारा समुदाय द्वारा
7	गतिविधि	▪ परामर्श सेवा ▪ टीकाकरण ▪ वजन ▪ स्कूलपूर्वशिक्षा ▪ स्वास्थ्य जॉच	▪ हॉ महिला मण्डल द्वारा ▪ हॉ एनम द्वारा ▪ होता है केन्द्र पर ▪ होती है केन्द्र पर ▪ होता है	पूछकर स्वयं समुदाय आ0बा0कार्यकर्त्री द्वारा समुदाय से पूछने पर	रजिस्टर ,, – –
8	निगरानी	▪ सुपरवाइजर ▪ C.D.P.0. ▪ D.P.O. ▪ Doctor\ ▪ अन्य	▪ नही ▪ होता है 4.2.08 ▪ हुआ था वार्तालाप द्वारा ▪ पल्स पोलियों के समय आते है। ▪ केयर	स्वयं देखा ,, ,, – – –	रजिस्टर द्वारा ,, ,, आ0बा0 से पूछने पर पूछकर –
9	समुदाय की भागीदारी	▪ चयन ▪ स्थल निर्धारित ▪ समग्री खरीद ▪ संचालन निगरानी	▪ – ▪ घर पर ▪ नहीं ▪ नहीं	–	– पूछकर वार्ता पर समुदाय से पूछने पर
10	दस्तावेज	▪ अद्यतन ▪ सही ▪ उपयोग	▪ था ▪ कुछ सही था कुछ नहीं था ▪ होता है	स्वयं स्वयं स्वयं	रजिस्टर ,, पूछकर देखकर भी

समूह दो – आंगनवाड़ी केन्द्र 02 के अभिलेखों का निरीक्षण एवं गृह भ्रमण।

(क) अभिलेखों का निरीक्षण

क0	रजिस्टरों का नाम	अंकेक्षण दल की रिपोर्ट
1	सर्वे रजिस्टर	रजिस्टर प्रमाणित नहीं हैं अन्तिम हस्ता दिनांक 6. 8.05 को किया गया है।
2	कार्यकर्त्री एवं सहायिका उपस्थिति पंजिका	पेजिंग नहीं, और न ही प्रमाणित है।
3	0–3 वर्ष तक की आयु के बच्चों का रजिस्टर	पेजिंग नहीं, और न ही प्रमाणित है। पूर्ण है।
4	3–6 वर्ष तक की आयु के बच्चों की उपस्थिति पंजिका	पूर्ण है प्रमाणित है, सी0डी0पी0ओ0सीन 2.2.08
5	गर्भवती तथा धात्री माताओं का रजिस्टर	केवल मार्च तक है आखिरी सीन 3.3.08 को किया गया है। प्रमाणित नहीं है।
6	महिला मण्डल रजिस्टर	19.4.08 तक का है, पूरा है।
7	जन्म मृत्यु रजिस्टर	रजिस्टर हैं मगर मृत्यु वाला पूरा नही है।
8	सामग्री स्टाक रजिस्टर	अलग से नहीं है। जन्म मृत्यु रजिस्टर के पीछे है सीन प्रधान 21.4.08
9	वृद्धि चार्ट रजिस्टर	नही था
10	दवा स्टाक एवं वितरण रजिस्टर	नहीं था
11	दैनिक डायरी एवं गृह भ्रमण पंजिका	है, प्रधान द्वारा सीन है, पूरा है, प्रमाणित नही है।
12	निरीक्षण पंजिका	है, मगर मुख्य सेविका ले गयी थी।
13	मातृ समिति पंजिका	बना है आखिरी बैठक 17.11.07 सीन प्रधान का है
14	पोषाहार स्टाक रजिस्टर	स्टाक और वितरण एक ही रजिस्टर में किया गया है। प्रमाणित है एम0एस0 28.1.08
15	पोषाहार वितरण रजिस्टर	स्टाक और वितरण एक ही रजिस्टर में किया गया है।
16	टीकाकरण पंजिका	पूरा नहीं है।
17	कैश बुक	रजिस्टर है अंकन नहीं हुआ है क्योंकि दो दिन पहले प्राप्त हुआ था।
18	हाट कुक स्टाक	रजिस्टर प्रमाणित नही है। पूरा है, सीन नही है।

(ख) आंगनवाड़ी केन्द्र की सुविधाओं एवं सेवाओं का निरीक्षण

क्रम	विषय	मुद्दे	अंकेक्षण दल की रिपोर्ट	सत्यापन विधि	संबंधित दस्तावेज
1	आधारभूत संरचना	▪ स्थल (साफ सफाई) ▪ भवन ▪ पानी ▪ शौचालय ▪ भण्डार / रसोई	▪ साफ सुथरा ▪ निजी भवन ▪ एक हैण्ड पाइप ▪ एक शौचालय ▪ था	स्वयं ,, ,, ,, ,,	प्रत्यक्ष ,, ,, ,, ,,
2	उपस्कर	▪ बर्तन ▪ वजन मशीन ▪ खेल सामग्री ▪ पठन सामग्री ▪ ग्रोथ चार्ट ▪ दवा पेटी	▪ ऑगनबाड़ी का निजी बर्तन ▪ है, खराब है ▪ है बच्चों को दिया जाता है। ▪ चार्ट–बच्चों को पहचान कराने ▪ नहीं है ▪ नहीं है	स्वयं नहीं देखा स्वयं ,, ,, ,,	प्रत्यक्ष कार्यकर्त्री द्वारा प्रत्यक्ष ,, ,, ,,
3	लक्ष्य समूह पहुंच और उपस्थित	▪ बच्चे – 7माह–3 ▪ बच्चे – 66 ▪ किशोरी 136 ▪ गर्भवती माता 8 ▪ धात्री माता 14	▪ 84 ▪ 66 ▪ 136 ▪ 8 ▪ 14	स्वयं ,, ,, ,, ,,	रजिस्टर द्वारा ,, ,, ,, ,,
4	सेविका / सहायिका	▪ चयन ▪ स्थानीयता ▪ कार्य– संचालन ▪ उपस्थिति ▪ प्रशिक्षण ▪ दक्षता / क्षमता ▪ भुगतान	▪ आंगनबाड़ी, 9.08.07 ▪ बाहर लखनऊ ▪ हो रहा था ▪ हॉ ▪ नहीं ▪ कुशल ▪ समय से	 स्वयं ,, ,, स्वयं और समुदाय ऑगनबाड़ी द्वारा	 रजिस्टर द्वारा
5	THR	▪ वितरण स्थिति ▪ निरंतरता ▪ गुणवता ▪ मात्रा	▪ सही ढंग से नहीं भरा गया है। ▪ समय से बढ़ता है। ▪ सही पाया गया ▪ तौल मशीन नहीं	है, सही ढंग से नहीं हैं स्वयं समुदाय द्वारा	रजिस्टर द्वारा ,, ,,
6	पूरक	▪ नियमितता	▪ हॉ	स्वयं	रजिस्टर द्वारा

	आहार	▪ गुणवत्ता ▪ मात्रा ▪ मेनू ▪ सामग्री खरीद	▪ सही था ▪ – ▪ खिंचड़ी, दलिया, पोहा ▪ समुदाय द्वारा सही था	स्मुदाय	,, ,, रसीद द्वारा
7	गतिविधि	▪ परामर्श सेवा ▪ टीकाकरण ▪ वजन ▪ स्कूल पूर्व शिक्षा ▪ स्वास्थ्य जॉच	▪ महिला मण्डल द्वारा ▪ सामुदायिक केन्द्र पर ▪ दूसरे आंगनबाड़ी से वजन लेकर ▪ आंगनबाड़ी केन्द्र निजी भवन ▪ नहीं	स्वयं द्वारा आंगनबाड़ी ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,,	समुदाय के द्वारा ,, रजिस्टर प्रत्यक्ष –
8	निगरानी	▪ सुपरवाइजर ▪ C.D.P.0. ▪ D.P.O. ▪ Doctor ▪ अन्य	▪ माह एक बार अन्तिम 15 अप्रैल 2008 ▪ 7 फरवरी 08 ▪ 7 फरवरी 08 ▪ पल्स पोलियो के समय ▪ केयर	स्वयं ,, ,, ,,	रजिस्टर द्वारा ,, ,, ,,
9	समुदाय की भागीदारी	▪ चयन ▪ स्थल निर्धारित ▪ समग्री खरीद ▪ संचालन निगरानी	▪ केन्द्र निजी भवन में ▪ केन्द्र निजी भवन में ▪ अध्यक्ष के साथ ▪ हॉ	स्वयं ,, ,, प्रत्यक्ष	समुदाय से चर्चा समुदाय से चर्चा रसीद द्वारा –
10	दस्तावेज	▪ अद्यतन ▪ सही ▪ उपयोग	▪ हॉ ▪ कुछ सही कुछ नहीं था, मेन्टेन नहीं था ▪ हॉ	स्वयं स्वयं स्वयं	प्रत्यक्ष ,, प्रत्यक्ष

<u>आंगनबाड़ी केन्द्रों के भ्रमण का सारांश</u>

(क) **अभिलेखों की स्थिति**

केन्द्रों पर अभिलेखों की स्थिति निम्नानुसार–

1. दोनों केन्द्रों पर रखे जाने वाले कुल 18 पंजिकाओं का अवलोकन किया गया, जिससे पता चला कि दोनो ही केन्द्रों पर वृद्धि चार्ट सम्बन्धित रजिस्टर व दवा स्टाक व वितरण रजिस्टर बने नही थे। साथ ही हाट कुक से सम्बन्धित पंजिकायें अपूर्ण थी क्योंकि इस क्षेत्र में 16 अप्रैल, 2008 से हाट कुक चला है।
2. सभी रजिस्टरों का रख–रखाव सही नहीं था जैसे पृष्ठ संख्या नही, कवर नहीं चढ़ा था, प्रमाणित नहीं थे इत्यादि।
3. **निरीक्षण** – सुपरवाइजर द्वारा निरीक्षण सही अन्तराल पर नहीं हो रहा है। अन्य विभागीय अधिकारियों द्वारा भी नहीं होता है। जबकि पहाड़पुर पर प्रधान द्वारा समय–समय पर अद्यतन प्रविष्टियाँ थी।

(ख) **आंगनबाड़ी केन्द्र की स्थिति–**

1. आधारभूत संरचना पर्याप्त है चार्ट– कलैण्डर लगा हुआ था।
2. वजन मशीन खराब स्थिति में पायी गई।
3. लक्ष्य समूह की उपस्थिति संतोषजनक पायी गई।
4. आंगनबाड़ी वर्कर व सहायिका में अच्छा समन्वय था।
5. केन्द्र एक की आंगनबाड़ी प्रशिक्षित नहीं थी।
6. टी0एच0आर0 के अन्तर्गत पोषाहार लगातार समय पर उपलब्ध हो रहा है।
7. हाट कुक की व्यवस्था सही पाई गई और प्राइमरी स्कूल का अच्छा सहयोग था जैसे ईंधन आदि।
8. गतिविधियों के अन्तर्गत दोनों ही केन्द्रों पर परामर्श सेवा संतोषजनक पायी गई। टीकाकरण पूर्ण रूप से हो रहा है। वजन नहीं हो पा रहा है, जिसके वजह से वृद्धि चार्ट नहीं भरा जा रहा है। संदर्भ सेवायें संतोषजनक नही है।
9. समुदाय की भागीदारी आंगनबाड़ी केन्द्र (1) पर की जा रही लेकिन आंगनबाड़ी केन्द्र (2) पर भागीदारी नही है।

(ग) **गृह भ्रमण :**

गृह भ्रमण के मुख्य बिन्दु–

1. चार गर्भवती ज्योति, सुमन, I कौशल्या सुमन II के घर गये, जिसमें से दो मायके गई हुई, उनके परिवार के सदस्य से वार्ता की गई, जिससे पता चला उन्हें सभी सेवायें मिल रही थी। दोनो सुमन से प्रत्यक्ष वार्ता की गयी, इससे भी पता चला कि इनको भी सभी सेवायें मिल रही हैं।
2. तीन धात्री के घर भ्रमण किया गया। उनका नाम नीलम, रजिया और रेशमा को पोषाहार मिल रहा है। टीकाकरण की स्थिति ठीक है। परन्तु रजिया ने अपने बच्चों को कोई टीका नहीं लगवाया है।
3. चार किशोरी के घर गये। उनके नाम आंगनबाड़ी केन्द्र पर पंजीकृत है, जिनका नाम पूजा, उर्मिला, सुधा एवं सरोजनी था। सभी आई0सी0डी0एस0 की सेवायें मिल रही है।
4. 7 माह से तीन वर्ष के बच्चों में मोहन कुमार, बीनू तथा गोलू, साने, नाजिया, अनस के घर गये सभी बच्चे स्वस्थ थे। वजन मशीन खराब होने के कारण वजन नहीं हो पा रहा है। पोषाहार मिल रहा है।

5. 3–6 वर्ष के बच्चों में अभय, अमर, ऑचल, प्रतिभा, संगीता के घर गये ओर उनके परिवार केसदस्य वार्ता द्वारा पता चला। सभी आंगनबाड़ी केन्द्र पर शालापूर्व शिक्षा के लिए जाते है।

समूह तीन, चार एवं पांच – बालपन बीमारियों का समेकित प्रबन्धन (आई0एम0सी0आई0)

सारांश :बालपन बीमारियों का समेकित प्रबन्धन (आई0एम0सी0आई0) में 2 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों में होने वाली आम बीमारी दस्त, सर्दी, खांसी, बुखार एवं कुपोषण का उचित इलाज व बचाव बताया जाता है जिसके अन्तर्गत सभी बीमारियों के लक्षण देखकर स्थिति का वर्गीकरण किया जाता है और उसी अनुसार घर वालों को परामर्श दिया जाता है, यदि बच्चे में कोई खतरे के लक्षण हो तो उसे तुरन्त अस्पताल के लिए संदर्भित कर देते हैं। आई0एम0सी0आई0 में यह भी देखा जाता है कि बच्चे को उसकी उम्र के अनुसार सभी टीके लगे हैं कि नहीं जिससे उनकी टीकाकरण की स्थिति का भी पता लग जाये।

भ्रमण के दौरान प्रत्येक प्रतिभागी ने एक बच्चे का रिकार्ड आई0एम0सी0आई0 के प्रोफार्मा द्वारा लिया, जिसके मुख्य बिन्दु निम्न हैः–

- ⇨ कुल 17 बच्चों को देखा गया, कोई भी बच्चा सुस्त और बेहोशी की स्थिति में नहीं मिला, इस तरह किसी भी बच्चे में खतरे के लक्षण नहीं पाये गये। अतः किसी को भी अस्पताल के लिए संदर्भित नहीं किया गया।
- ⇨ 15 बच्चे पूर्ण रू॰ से स्वस्थ पाये गये, इनमें से किसी को भी दस्त, सर्दी, बुखार या कुपोषण नहीं था।
- ⇨ मनीषा नाम की बच्ची जो 1 वर्ष 6 माह की थी, उसे मामूली दस्त था। अतः उसकी मॉ को जीवन रक्षक घोल, पिलाने, आसानी से पचने वाले आहार खिलाने और साफ सफाई के बारे में बताया और यह भी परामर्श दिया की यदि इसके बाद भी दस्त होते हैं तब डाक्टर के पास उसे तुरन्त ले जाये।
- ⇨ एक बच्ची जिसका नाम शिवानी था, उसे फोड़ा, फॅूसी और खुजली थी, उसके घर में बहुत गन्दगी पायी गई। इसका इलाज आई0एम0सी0आई0 में नहीं आता है। लेकिन परिवार के सदस्यों साफ–सफाई के बारे में बताया गया और डाक्टर को दिखाने की सलाह दी गई।
- ⇨ टीकाकरण का रिकार्ड लेने पर टीकाकरण की स्थिति ठीक पायी गई, 17 बच्चों में 12 को उनकी उम्र के अनुसार सभी टीक लगे थे, चार बच्चे जिनके नाम ईशु, विशाल, साहिल तथा गुलशन के कुछ टीके छुटे हुए थे। अतः इन बच्चों के परिवार वालों को टीकाकरण पूर्ण कराने की सलाह दी। मात्र एक चार वर्ष का बच्चा जिसका नाम पीयूष था उसे कोई भी टीका नहीं लगा था। इस तरह से टीकाकरण की स्थिति संतोषजनक पायी गई।

अतः बच्चों को रिकार्ड लेने पर यह स्पष्ट हुआ की ग्राम पहाड़पुर में ज्यादातर बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति ठीक थी।

13– तृतीय क्षेत्रीय भ्रमण

गॉव का नामः : आदिल नगर
ब्लाक का नामः अलीगंज
जनपद का नाम : लखनऊ

ऑ.वा.कार्यकत्रीः– सुश्री साबित्री देवी
सहायिका – श्रीमती मनसा देवी

दिनांक 10.5.08 को ग्राम आदिल नगर, लखनऊ का भ्रमण कराया गया। यह भ्रमण इस उद्देश्य से कराया गया कि मुख्यसेविकाओं को हाट कुक की प्रायोगात्मक रूप से व्यवहारिक जानकारी प्राप्त कर सकें। आंगनबाड़ी केन्द्र पर पंजीकृत 3–6 वर्ष की आयु के समस्त बच्चों को गरम पूरक पोषाहार (हाट कुक) आंगनबाड़ी केन्द्र पर तैयार कर दैनिक रूप से माह में 25 दिन एवं 6 माह से 3 वर्ष के बच्चों तथा गर्भवती धात्री महिलाओं को रेसिपी में प्रयुक्त होने वाले कच्चे माल को टेक होम राशन के अन्तर्गत प्रत्येक शनिवार को 6 दिन का राशन एक साथ दिया जाता है।

पूरे सप्ताह में 3 प्रकार की रेसिपी निर्धारित की गई है जो निम्न हैः–

क्र0सं0	रेसिपी का नाम	रेसिपी में प्रयुक्त	अवयव,मात्रा प्रति लाभार्थी हेतु	
1	खिंचड़ी	मूंग/अरहर दाल–30ग्राम	चावल– 60 ग्राम	तेल–2.5ग्राम नमक स्वादानुसार
2	दलिया मीठा/ नमकीन	दलिया – 70 ग्राम	चीनी–25ग्राम/नमक स्वादानुसार	त्ेल–5ग्राम
3	स्थानीय मौसमी उपलब्ध फल/सब्जी को मिश्रित करते हुए तैयार खाद्य पदार्थ तथा (सत्तू, चूरा मटर, पोहा आदि स्थानीय रूचि के अनुसार			

सभी 32 प्रतिभागी ने ग्राम आदिल नगर में हाट कुक से सम्बन्धित निम्न जानकारी प्राप्त की।

- ⇨ टी0एच0आर0 का दिन था, मातृ–समिति की बैठक भी थी, जिसमें महिलायें उपस्थित मिली।
- ⇨ रेसिपी के अनुसार बच्चों को पोहा वितरित किया गया था।
- ⇨ हाट कुक से सम्बन्धित सभी रजिस्टर का अवलोकन किया जैसे– स्टाक रजिस्टर, वितरण रजिस्टर, कैश बुक आदि सभी रजिस्टर पूर्ण और अच्छी स्थिति में थे।
- ⇨ हाट कुक के जी0ओ0 के अनुसार 06 माह से 03 वर्ष के बच्चे को 2 रूपये/प्रतिदिन के हिसाब से छः दिन का राशन वितरित किया जा रहा था। गर्भवती धात्री महिलायें व किशोरी बालिकाओं को 2 रूपये 30 पैसे प्रतिदिन के हिसाब से 6 दिन का राशन दिया जा रहा था।
- ⇨ मातृ समिति की अध्यक्ष उपस्थित मिली व अन्य गर्भवती धात्री से वार्ता से पता चला कि सभी लाभार्थी को नियमानुसार वितरण होता है और स्वच्छता की दृष्टि से भी संतोषजनक जवाब मिला।

अतः यह भ्रमण सभी प्रतिभागियों के लिए लाभकारी रहा।